



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—पांच 1
PART I—Section 1

शासिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 236] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 28, 1992/अग्रहायण 7, 1914

No. 236] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 28, 1992/AGRAHAYANA 7, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी आसी है जिससे कि यह अलग संकालन के काम में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक, लोक गिराया तथा वेणुन मत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1992

सं. 10/3/92-सी.एस.-II :— निम्नलिखित मेवाओं/पदों (ओर ऐसी प्रत्येक सेवाओं/पदों) की संख्या जिन्हे आयोग द्वारा यित्तापन में आवेदन पत्र शामिल करते भगव शामिल किया जाए।) में ग्राम्यार्थी रिक्तियों को भरने के प्रयत्निं गरे 1993 के कर्मसारी भवन आयोग, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा वी जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (क) भारतीय विदेश सेवा "घ" के संकर्ग के आणुलिपिक ग्रेड-III
- (घ) रेलवे बोर्ड मन्त्रालय आणुलिपिक सेवा ग्रेड "घ"
- (ग) केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा ग्रेड "घ"
- (घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय आणुलिपिक सेवा ग्रेड "घ"
- (ङ) केन्द्रीय गतरक्ता आयोग
- (ञ) भारतीय चुनाव आयोग सचिवालय

(छ) अन्य दूसरे विभाग/कार्यालय यित्तका ऊपर उल्लेख नहीं किया गया है।

प्रायोग द्वारा उपर्युक्त सेवाओं/पदों के संबंध में उम्मीदवार से वरीयता उम्मीदवार सारी जव वे घरने आवेदन पत्र प्रस्तुत करेंगे। फिर भी उम्मीदवार लिखित परीक्षा की तारीख से पहले एक बार वरीयता क्रम में परिवर्तन कर सकते हैं।

2. इस परीक्षा का मंचालन कर्मसारी भवन आयोग द्वारा इन तियम्बों के परिषिष्ट 1 में लिखित विधि में किया जाएगा। किन तारीखों को और किन-किन स्थानों पर परीक्षा आयोगित की जाएगी इसका निपर्दित आयोग करेगा।

3. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। भूतपूर्व मैतियों, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग (मध्यम तथा आंशिक रूप से नेतृहीन) व्यक्तियों के रिक्त स्थानों के संबंध में आरक्षण निवेशों के ग्रन्तुसार सरकार द्वारा निपर्दित हुए से किया जाएगा।

टिप्पणी :— आंशिक विकलांगता : आंशिक रूप से विकलांग वे हैं जिनमें कम से कम 40% ऐसी शारीरिक कमी या विकृति हो जिससे

आस्तियों, मांसपेशियों और जोड़ों के सामान्य रूप से कार्य करने में बाधा होती हो ।

(1) जो भूतपूर्व संनिक सरकार द्वारा समय-समय पर निष्पारित शतों को प्रपा करते हैं उन्हें अपनी बास्तविक आयु में से सेनिक सेवा का समय कम करने की अनुमति दे दी जाएगी तथा ऐसी परिणामी आयु निष्पारित आयु सीमा से 3 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए ।

(2) इस आयु छठ के अधीन परीक्षा में बैठने की जिन उम्मीदवारों को अनुमति दी गई है वे उन सभी रिक्तियों के लिए जाहे वे भूतपूर्व * नियों के लिए भारतित हों अथवा नहीं, परीक्षा देने के लिए पात्र होंगे ।

भूतपूर्व संनिक से ऐसा व्यक्ति अवित है जिसने योद्धा अथवा गैर योद्धा के रूप में संघ की नियमित सेवा, नोरेना तथा वायु मेन में किसी भी रैक में सेवा की है तथा :-

(1) जो ऐसी सेवा में अपनी पेंशन लेने के बाव सेवा निवृत्त हुआ है या

(2) जिसे ऐसी सेवा से, संनिक सेवा अथवा किन्हीं प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण मेडिकल आधार पर सेवा मुक्त किया गया गया हो तथा मेडिकल अथवा अन्य कोई अधोगत्ता पेंशन दी गई हो ।

(3) जिसे अपने अनुरोध के सिवाएँ किसी और कारण, संस्थापना के कर्मचारियों की संख्या में कम करने के कारण ऐसी सेवा से मुक्त किया गया हो, या

(4) जिसे अपने कार्य को किसी विशेष अवधि तक पूरा करने के बाव उसके मिली अनुरोध के सिवाएँ किसी और कारण से अथवा कवाचार या प्रदूषण के आधार पर वर्तीत अथवा परव्युत करके सेवा मुक्त कर दिया गया हो और उपादन दिया गया हो तथा जो निम्नलिखित व्यक्तियों की प्रावेशिक सेना के कार्यिकों में शामिल हो अर्थात् :-

(1) निरन्तर एम्बाइंड सेवा पेंशन पाने वाले,

(2) मौर्य सेवा के कारण शारीरिक रूप से अव्योग्य हुए अवित और

(3) वीरता पुरुस्कार विजेता ।

नोट : 1. जो भूतपूर्व संनिक अपने पुनर्नियोजन के लिए भूतपूर्व संनिकों के रूप में लाभ प्राप्त करने के बाव पहले से ही सिविल सरकारी सेवा में आ गए हैं वे भी आयु में छठ के पात्र हैं । किर भी ऐसे अन्यर्थी आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के पात्र नहीं होते ।

नोट : 2. पैरा 3 (1) के प्रयोजन से संचय बल में एक भूतपूर्व संनिक की "काल अप सर्विस" की अवधि को भी संचय बलों में की गई सेवा मानी जाएगी ।

नोट : 3. संघ की तीनों सशस्त्र सेनाओं के किसी संनिक को आरक्षण के लाभों को प्राप्त करने के उद्देश से एक भूतपूर्व संनिक माने जाने के प्रयोजन से उसी पद/सेवा के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय भूतपूर्व संनिक की हैसियत पहले ही प्राप्त कर दिया हो अथवा वह किसी सशम प्राधिकारी से लिखित साक्ष्य द्वारा अपनी पालता सिद्ध करने की विधि में हो कि उसे अनितम तिथि (अर्थात् 28-12-92) से अपनी नोकरी की एक साल की निश्चिन अवधि पूरी हो जाने के बाव सशस्त्र सेनाओं से मुक्त/सेवा मुक्त कर दिया जाएगा । इस संबंध में उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र/वक्तव्य का प्रवेष संलग्नक में दिया गया है) जैसा कि विनांक 3-4-91 के कार्यिक एवं प्रधिकार विभाग के कार्यालय शापन संख्या 36034/2/91-स्था. (अनु. जा. एवं ज.जाति) के पैरा 2 में दिया है ।

(2) आंतरिक तथा आंतरिक रूप से नेवहीन (पैरा 3 में व्या विविष्ट) से ऐसा विकासग व्यक्ति अधिवैत है जैसा कि सरकार द्वारा

समय-समय पर प्रिभावित किया जाता है । अपने व्यक्तियों को सहायक देने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

नोट :-आंतरिक रूप से अंधे उम्मीदवार के लिए भलग से एक परीक्षा प्रायोजित की जा सकती है ।

(3) अनुसूचित जाति/जनजाति से प्रधिप्राय उस किसी भी जाति से है जिसका निम्नलिखित में उल्लेख किया गया है :-

संविधान (अनुसूचित जाति) झारेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जनजाति) झारेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ क्षेत्र) झारेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जनजाति) (संघ क्षेत्र) झारेश, 1951, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सूची (परियोग्य) झारेश, 1956, मुख्य रिपार्टरी झारेश एकट 1960, पंजाब रिपार्टरी झारेश एकट 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रधिनियम 1970, पूर्वोत्तर लेन (रिपार्टरी झारेश) एकट 1971 एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति झारेश (संशोधन) प्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (जम्मू एवं कश्मीर) अनुसूचित जाति झारेश, 1956, संविधान (अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति झारेश 1958, अनुसूचित जाति एवं जनजाति झारेश (संशोधन) प्रधिनियम 1970, द्वारा यथा संशोधित ।

संविधान (दावरा एवं नगर हवेली) अनुसूचित जाति झारेश, 1962, संविधान (दावरा एवं नगर हवेली) अनुसूचित जनजाति झारेश 1962,

संविधान (पांडिकरी) अनुसूचित जाति झारेश 1964,

संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) झारेश 1967,

संविधान (गोपा, दमन एवं द्वीप) अनुसूचित जाति झारेश 1963,

संविधान (गोपा, दमन एवं द्वीप) अनुसूचित जनजाति झारेश 1968,

संविधान (नागार्नै) अनुसूचित जनजाति झारेश 1970,

संविधान (सिकिम) अनुसूचित जाति झारेश 1978,

संविधान (सिकिम) अनुसूचित जनजाति झारेश 1978,

संविधान (जम्मू एवं कश्मीर) अनुसूचित जनजाति झारेश 1989,

संविधान (प्रत्युषित जाति) झारेश (संशोधन) प्रधिनियम 1990,

संविधान (प्रत्युषित जनजाति) झारेश (संशोधन) घटवारेश, 1991,

4. (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल का रहने वाला हो, या

(ग) भूताल का निवासी हो, या

(घ) ऐसा तिब्बती आरण्यार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आया हो, या

(इ) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और केन्या, उगांडा और तंजानिया, संयुक्त गणराज्य, भूतपूर्व तांगानिका व जंजीबार के पूर्व अफ्रीकी देशों, जापिया, मलेशी, जायरे, इथोपिया और चियनाम से आया हो ।

झोगे यह कि उपर्युक्त प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) तथा (इ.) का कोई उम्मीदवार वहां व्यक्ति होगा जिसके लिए भारत सरकार द्वारा पात्रता पत्र जारी कर दिया गया हो ।

इससे आगे यह कि उपर्युक्त प्रवर्ग (ख), (ग) और (घ) की कोई व्यक्ति भारतीय चियरेश सेवा (घ) — यानुनियिक संवर्ग का (प्रेड-३) में नियुक्त के लिए पात्र नहीं होगा ।

(2) किसी उम्मीदवार को, जिसके मामले में पाकता प्रमाण पत्र प्राप्तव्यक है, परंपरा में बैठने दिया जा सकता है, लेकिन नियुक्त प्रबोधन केवल उसी दिया जाएगा जबकि, जिस पत्र पर उम्मीदवार को नियुक्त किए जाने की संभावना है, उस पत्र के प्रशासनिक रूप से संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा उम्मीदवार का आवश्यक पात्रता प्रमाण पत्र दिया गया है।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार की प्रायु 1-1-93 को 18 वर्ष से कम और 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए प्रथम् उम्मीदवारी, 1968 से पहले और 1 जनवरी, 1975 के बाद नहीं होगा हो।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरों आयु सीमा में 40 वर्ष, (अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 वर्ष) प्रायु तक छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में स्थाई रूप में आशुलिपिकों (जिसमें भाषा आशुलिपिक/लिपिक/ प्रायु टंकफ/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकफ शामिल है) के रूप में नियुक्त किया गया है और जिन्होंने आशुलिपिकों के रूप में (भाषा आशुलिपिक/ लिपिक/प्रायु टंकफ/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकफ भी शामिल हैं)। जनवरी, 1993 तक 3 साल से कम सेवा न की हो और अधीक्षी भी वे इसी तरह नियुक्त हों।

(ग) ऊपर विवित सभी मामलों में ऊपरों प्रायु सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी:—

(1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(2) कार्यालय और प्रशिक्षण विभाग के विनांक 22-11-91 के कार्यालय जापन संख्या 15012/11/90-स्था. (ख) के अनुसार यदि उम्मीदवार कृतृत या इराक से सदभावूर्बक प्रस्तावित होने वाला भारतीय मूल का व्यक्ति ही और 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले उसने भारत में प्रवास किया हो, तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक। (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आठ वर्ष तक)।

(3) किसी दूसरे देश से संबंध के बीचारे अवधार उपचारग्रस्त दूतावारों में फौजी कार्यालयों को करते समय प्रशासन हुए तथा उसके परिणाम-स्वरूप नौकरों से निर्मुक रक्षा सेवा कार्यालयों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 8 वर्ष तक)।

(4) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है तथा आधिक रूप से नेत्रहीन हो तो, अधिक 10 वर्ष तक। अनुसूचित जाति या जनजाति के अधिकारी जो शारीरिक विकलांग है, उन्हें शारीरिक विकलांगों के लिए प्रायु सीमा में दो गई प्रायु सीमा में छूट के अतिरिक्त होगी।

(5) ऐसी विभागाओं, ललाकशुदा महिलाओं और स्थायिक लांड पर अपने पतियों से अलग हुई महिलाओं के मामले में जिन्होंने पुनर्विवाह नहीं किया है, 35 वर्ष की प्रायु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को महिलाओं के लिए 40 वर्ष तक)।

(6) भूताम के चूखा विद्युत परियोजना प्राधिकरण के संघीय भर्ती किए गए ऐसे कर्मचारियों को जिनकी छंटनी की गई है, को ऊपरों प्रायु सीमा में उनके द्वारा प्राधिकरण में कोई व्यक्ति की अवधि के बीचारे छूट दी आई। छंटनी किए गए कर्मचारों को नियमित सेवा की अवधि का निर्णय, चूखा विद्युत परियोजना प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्र के आधार पर किया जाएगा।

(7) 1991 की जनगणना के राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के जनगणना निदेशालयों से छंटनी किए गए ऐसे जो अपनी, जनगणना प्रकार्य में रोजगार कार्यालयों या अस्थ प्रत्येक माइमों से प्रारंभिक भर्ती

के समय ऊपर पद के लिए निर्धारित प्रायु सीमा के अन्तर्गत हो तथा 6 महीने की लगातार सेवा कर चुके हैं और स्थायित्वा में नटोरी के कारण निकाले गए कर्मचारियों के लिए प्रायु सीमा शिखितरण है।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित प्रायु-सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती है। भूतपूर्व सेविकों के पुत्रों, पुत्रियों तथा मात्रिकों को तथा पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों को प्रायु रियायत अनुकूल नहीं है।

ध्यान दें:—(1) जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5(ख) में उल्लिखित प्रायु छूट के प्रधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया है उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है जबकि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्यागपत्र दे देता है या विभाग द्वारा उसकी नेवार्ए समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह पात्र बन रहा है।

ध्यान दें:—(2) ऐसा आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक/लिपिक/प्रायु टंकफ/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकफ भी शामिल हैं)। जनवरी, 1993 तक 3 साल से कम सेवा न की हो और अधीक्षी भी वे इसी तरह नियुक्त हों।

6. उम्मीदवारों ने केन्द्र या राज्य विधान सभाल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा अवध्य पास की हो, अवध्या उसके पास 1-1-1993 को किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड की माध्यमिक स्कूल परीक्षा का या कोई और ऐसा प्रमाण पत्र हो जिसे उस राज्य को सरकार/भारत सरकार द्वारा नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष माना गया हो।

नोट: 1. जिस अध्यालयों को अभी मैट्रिक को परीक्षा में बैठना हो या जिनका परीक्षा परिणाम रोका गया है या 1-1-1993 या इसके पूर्व बोर्डिंग नहीं होता वे पात्र नहीं हैं।

नोट: 2. आपवादिक परिस्थितियों में, केन्द्रीय सरकार किसी ऐसे उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकती है, जिसके पास उपर्युक्त नियम में निर्धारित प्रधीन अहंताओं में से कोई अहंता नहीं हो बताते कि उम्मीदवार के पास कोई ऐसी अहंता हो जिसका स्तर सरकार के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

7. जिस व्यक्ति ने—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहने वाले किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत के दूसरे पक्ष पर नायु हीने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा कारने के अस्थ कारण भी है, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

8. सरकारी सेवारत सभी अध्यालयों द्वाहे वे स्थायी हों या अस्थायी, अवध्या अनियाय या वैनिक कर्मचारियों के ग्रान्टवा कार्य-प्रभारित कर्मचारी हों या लोक उद्यम के अवीन कार्यरत हों, उन्हें एक बचन-पक्ष जमा करना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के प्रमुख को लिखित रूप से सूचित कर दिया है कि उन्हें इस परीक्षा के लिए प्रावेदन किया है।

अधिकारी ध्यान दें कि यदि आयोग को उनके नियोनता द्वारा आवेदन करने वाले प्रभृती के परेक्षा में शामिल होने की अनुमति नीको गवंडी कोई संवेदन प्राप्त होता है तो उनका आवेदन पत्र प्रस्तुत कर दिया जाएगा/प्रभृती नियुक्त कर दी जाएगी।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के प्रधिकारों के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक नियन्ते में बाधक हो। यदि सक्षम प्राप्तिकारों द्वारा विहिन शाकटरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञान हुआ कि वह इन अंतरालों को पूरा नहीं कर सका है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की शाकटरी परीक्षा को जाएगी जिन पर नियुक्ति के लिए चिकार किए जाने की संभावना हो।

टिप्पणी : — अशक्त भूतपूर्व रक्षा कार्मिकों के मामले में, रक्षा सेवा के समय विघ्नन डाक्टरी बोर्ड (इंट्रोक्टोलाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया या स्वस्थता प्रमाण पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परेक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपालता के बारे में आयोग का निर्णय प्रत्यक्ष होगा।

11. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शारीरिक विकलांग तथा भूतपूर्व सैनिक छाक्टर कमी उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क देना होगा।

12. किसी भी उम्मीदवार को परेक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रबोध पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार का समर्थन प्राप्त करने का प्रयत्न किया तो उसे परेक्षा में प्रवेश के लिए आयोग भाग जाना जाएगा।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने:-

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परेक्षा दें तो, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से नाम बदल कर परेक्षा दिलाई है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाढ़ा गया हो, अथवा
- (5) परेक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (6) गलत या छूटे विवरण दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (7) परेक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकारों पर असमत बातें लिखी हों जो अपलोड भाषा में या अभद्र भाषण की हों, या
- (9) परेक्षा स्थन में और किसी प्रकार का उपयोगहार किया हो, या
- (10) उनके द्वारा अपने साथ परेक्षा भवन में उत्तर पुस्तिकारों/प्रांगुलिपि टिप्पणी टक्कण आलेख से लाई गई हो या परेक्षा सचावन के द्वारा उसे किसी अनधिकृत व्यक्ति/व्यक्तियों को दी गई हो,
- (11) परेक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों की परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक अति पुरुषाई हो,
- (12) परेक्षा देने की अनुमति/यात्रे प्रवेश पत्र के साथ उम्मीदवारों की जारी किए गए किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो, अथवा

(13) उपर्युक्त बृहंडी में उम्मीदवार सभी अधिकारी की कार्य के द्वारा आयोग को अवधेशित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्राप्तेव्यशत) ललाचा जा सकता है और उसे मार्ख हो जाए —

(क) आयोग द्वारा उस परेक्षा में, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अधिकारी द्वारा जाना जाना जाए, अथवा

(ख) उसे स्थाई रूप से अधिकारी एक विशेष अवधि के लिए —

(i) आयोग द्वारा नहीं जाने वाली विभीं भी, परेक्षा अधिकारी अधिकारी के लिए,

(ii) केवल उम्मीदवार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से बचित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह पहले से बरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही को जा सकती है।

15. उम्मीदवारों का अधिन. परेक्षा के बाव आयोग हर एक उम्मीदवार की अंतिम रूप से दिये गये कुल प्राप्तिकारों के आधार पर उनके योग्यता अम के अनुमान उनके नामों की सूची अनायेग और उस अम के अनुमान आयोग उस परेक्षा में जिनमें उम्मीदवारों को अप्रैंग आणुलिपिकों अथवा हिन्दी आणुलिपिकों जैसा भी सामाला हो के रूप में नियुक्ति के लिए अहंता प्राप्त समझेगा, उनको इस परेक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अनाक्षित रिक्तियों में नियुक्ति के लिए अपेक्षित संख्या तक सिफारिश की जाएगी।

इन नियमों में दिये गये अन्य उपर्युक्तों के अध्यवधों, परेक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियों करने समय उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पर्याप्तों के लिए व्यक्त की गई अप्रत्यापनाओं पर उचित ध्यान दिया जाएगा।

परन्तु यदि शारीरिक रूप में विकलांग वर्गों अथवा भूतपूर्व सैनिकों के उम्मीदवारों के लिए आवधित रिक्तियां इन वर्गों के उम्मीदवारों द्वारा सामान्य भावकों के आधार पर नहीं भरी जा सकती हैं, तो आवधित कोटि में कमी की पूरा करने के लिए आयोग द्वारा न्यूर में छूट देकर, चाहे परेक्षा के योग्यता कम में उनको कोई भी स्थान हो, सेवा में अधिन करने के लिए उनकी मिकारिश की जाएगी बताएं कि वे उपयुक्त हों।

आयोग अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की मिकारिश इन वर्गों के लिए आवधित रिक्तियों को संख्या तक मानकों में छूट देकर कर सकेगा बताएं कि वे उम्मीदवार सेवा में अधिन के लिए योग्य हों।

और यह कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की मिकारिश इन वर्गों के लिए आवधित रिक्तियों को संख्या तक मानकों में छूट देकर कर सकेगा बताएं कि वे उम्मीदवार सेवा में अधिन के लिए योग्य हों।

16. हर एक उम्मीदवार की परेक्षाकाल की सूचना किस रूप में न्यूर किस प्रकार हो जाए, इसका नियम आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परेक्षाकाल के संबंध में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

17. उम्मीदवार के चरित्र न्यूर पूर्ववृत्तों की आवश्यक जांच के बाद जब तक उम्मीदवार इस बात में संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार इस भेदा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार में उपयुक्त है, तब तक परेक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

18. इस परेक्षा के द्वारा जिन सेवाओं के लिए भर्ती की जा रही है उनके मध्यांतर विवरण परिषिद्ध-1 में दिए गए हैं।

परिशिष्ट-I

परीक्षा की योजना :—परीक्षाके दो भाग होंगे अर्थात् :—

भाग-1 :—लिखित परीक्षा

भाग-2 : आशुलिपि परीक्षा

भाग-1 : लिखित परीक्षा: परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय के लिए दिया गया समय तथा पूर्णांक और पाठ्य विवरण तथा स्तर निम्न होंगे :—

विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
(1) सामान्य जागरूकता	100	दो घण्टे
(2) भाषा परीक्षा (हिन्दी/अंग्रेजी)	100	

दोनों ही उक्त विषयों से संबंधित बेवल एक संयुक्त पेपर हीगा जिसमें वस्तुनिष्ठ व्यक्तिगत प्रवाह के प्रश्न होंगे। प्रत्येक के चार वैकल्पिक उत्तर होंगे। उम्मीदवारों को दोनों ही विषयों को, अलग-अलग रूप से, पास करना अनिवार्य होगा। आयोग को किसी एक विषय या दोनों ही विषयों के लिए न्यूनतम अर्धक अंक निर्धारित करने की पूर्ण छूट होगी। केवल वही उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा के लिए बुलाए जाने के पात्र होंगे जो दोनों में से प्रत्येक विषयों में लिखित परीक्षा में ऐसे न्यूनतम अंक प्राप्त करें जो आयोग द्वारा उसके विवेक से निर्धारित किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को वह व्यक्ति होगा कि वे भाषा परीक्षा का उत्तर हिन्दी में दें या अंग्रेजी में। जो उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं वे भाषा परीक्षा हिन्दी में दें तथा जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देना चाहते हैं वे भाषा परीक्षा अंग्रेजी में देंगे। (जो अध्यर्थी भाषा परीक्षण में अपने आवेदन पत्र में दिए गए व्यक्तिगत स्थिति विवरण से इतर भाषा में या दोनों भाषाओं में उत्तर देने उन्हें शृण्य अंक दिया जाएगा।)

स्तर तथा पाठ्य विवरण: प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही हीगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रिक्युलेशन परीक्षा का होता है।

सामान्य जागरूकता: इसमें प्रश्न इस प्रकार से तैयार किए जाएंगे जिससे कि उम्मीदवार की इसके आसपास बढ़ने वाली घटनाओं तथा समाज, में उसकी प्रासंगिकता के संबंध में, सामान्य जागरूकता संबंधी योग्यता का मूल्यांकन किया जा सके। इसमें ऐसे भी प्रश्न रखे जाएंगे जिससे कि उम्मीदवार की, वर्तमान घटनाक्रम और दिन प्रतिदिन नजर आते वाली तथा उनके वैज्ञानिक पहलुओं की वातें जिनकी जानकारी पड़े-लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए, ज्ञान का मूल्यांकन किया जा सके। इस परीक्षा में भारत तथा इसके पड़ोसी देशों के सम्बन्ध में विशेषकर इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थ व्यवस्था, सामान्य राज्यतंत्र तथा वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित प्रश्न भी होंगे।

भाषा परीक्षा (हिन्दी/अंग्रेजी) :—इस परीक्षा में ऐसे प्रश्न होंगे जिससे कि उम्मीदवार के हिन्दी/अंग्रेजी भाषा तथा इसकी शब्दावली, व्याकरण, वाक्य संरचना, समानार्थ तथा विपरीतार्थक आदि से संबंधित ज्ञान का मूल्यांकन किया जा सके। परिच्छेद को समझने के संबंध में भी प्रश्न होंगे।

भाग-II

हिन्दी या अंग्रेजी में आशुलिपि परीक्षा।

(लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिए)-

आशुलिपि परीक्षा के बारे में व्यौरे इस प्रकार होंगे :—

आशुलिपि परीक्षा को योजना :

उम्मीदवारों को अंग्रेजी अथवा हिन्दी में 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट के लिए एक शुतलेख को परीक्षा देनी होगी। जो उम्मीदवार अंग्रेजी में परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें 65 मिनट में सामग्री का लिप्यन्तर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी में परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें 75 मिनट में सामग्री का लिप्यन्तर करना होगा।

1. उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नोट टंकण मशीन पर लिप्यन्तर करने होंगे, और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी टंकण मशीन लानी होगी।

2. जो उम्मीदवार हिन्दी में आशुलिपि परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद अंग्रेजी आशुलिपि संखनी आवश्यक होगी और जो उम्मीदवार अंग्रेजी में आशुलिपि परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि संखनी आवश्यक होगी।

परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जा रही है उससे संबंधित सक्षिप्त ज्ञान—

क. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा:

1. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

निजी सचिव ग्रेड : रु. 3000-100-3500-द.रो.-125-4500

ग्रेड "क" और "ब्र" रु. 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100-3500.

(सचिवालय)

ग्रेड "म" रु. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900

ग्रेड "घ" रु. 1200-30-1560-द.रो.-40-2040

2. उक्त सेवा के ग्रेड "घ" में नियुक्त व्यक्ति द्वीपर्वत तक परिवासियोंने रहे हैं। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने आवश्यक है तथा ऐसी परीक्षाएं पास करनी आवश्यक हैं जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएं।

3. परिवेश की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति को उसके पद पर स्थायी कर सकती है या यदि उसके कार्य अथवा याचिकान सरकार की रूप में असंतोषजनक रहते हों तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवेश की अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

4. सेवा के ग्रेड "घ" में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा योजना में भाग लेनेवाले गंतव्यस्थायों-या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किन्तु उसको किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य गंतव्यस्था या कार्यालय में बदली हो सकती है।

5. सेवा के ग्रेड "घ" में भर्ती किए गए व्यक्तियों के लिए इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार आगे उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति किए जाने के पात्र होंगे।

(ब) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा

(क) (1) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में फिलहाल निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

ग्रेड क: रु. 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100-3500 का एकीकृत ग्रेड ख: ग्रेड ।

प्रेड-ग. इ. 1640-60-2600 द.रो.-75-2900.

प्रेड-घ. र. 1200-30-1560-द.रो.-40-2040.

(ii) उक्त सेवा के प्रेड घ में भर्ती किए गए व्यक्ति - वो वर्ष की अधिकारी के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अधिकारी के दौरान उन्हें ऐसा प्रणिकाण देना पड़ेगा तथा ऐसी परीक्षा उत्सर्ज करने पड़ेगी जो सरकार समय समय पर निर्धारित करे। परिवीक्षा अधिकारी के समाप्त हीने पर यदि यह पाया गया कि सरकार का राय में उनमें से किसी भी व्यक्ति का कार्य या आवारण प्रसंगोष्ठीनक रहा है तो उसे सेवा मुक्त किया जा सकता है या उसको परिवीक्षा का अधिकारी को सरकार द्वारा अनिवार्य अधिकारी जा सकता है।

(iii) उक्त सेवा के प्रेड घ में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्च प्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(अ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक हो सीमित है तथा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की तरह कम-चारियों का अन्य मंत्रालय में स्थानांतरण नहीं होता है।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए रेलवे बोर्ड आशुलिपिक सेवा के अधिकारी:-

(i) पेशन लाप के पात्र होंगे तथा

(ii) सेवा में आने की तारीख को नियुक्त रेल कमचारियों पर लागू नहीं अंगार्यी राज्य रेल अधिकारी नियम के अधीन उक्त नियम में अधिकारीन करेंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय अधिकारी के अनुसार पास और विदेशीकार टिकट आवेदन का हकदार होता।

(इ) जहाँ तक अधिकारी नया सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में सीमित स्टाफ के साथ वैसा ही अधिकारी किया जाता है जैसा कि रेलवे के अन्य स्टाफ से किसी विकिसा सुविधाओं के मामले में वे केन्द्रीय सरकार के अन्य कमचारियों पर लागू नियमों में शामिल होंगे जिनका मुक्तालय नहीं दिल्ली होगा।

ग. भारतीय विदेश सेवा (क) आशुलिपिक संबंध का प्रेड-III

इस समय भारतीय विदेश सेवा "क" के आशुलिपिक संबंध के नियम-लिखित प्रेड हैं:-

प्रवर प्रेड/प्रेड-I: र. 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100-3500 प्रेड-II:

प्रेड-III: र. 1640-60-2800-द.रो.-75-2900

आशुलिपिक संबंध में र. 3000-100-3500-द.रो.-125-4500 के वेतनभान में सभा प्रेड सूचित करने की कार्रवाई चल रही है।

2. सेवा के प्रेड-III में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अधिकारी के दौरान उन्हें ऐसे प्रणिकाण देने तथा ऐसी परीक्षाएं पास करनी आवश्यक हैं जो सरकार द्वारा नियारेत की जाए। परिवीक्षा भी अधिकारी पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का भी कार्य अन्यथा आवारण सरकार का राय में प्रसंगोष्ठीनक पाया जाए तो उस स्थिति में या तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार द्वारा योजित समय के लिए उसका परिवीक्षा अधिकारी को ग्रांग बढ़ाया जा सकता है।

3. भारतीय विदेश सेवा "ब" में नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को मुख्यालयों भारत में किसी भी स्थान पर अन्यथा विदेश में जिस पद पर भी नियंत्रक प्राधिकारियों द्वारा तैनात किया जाए पदों पर सेवा करने होंगे।

4. विदेश सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (क) के अधिकारीयों को संविधा देनों को जीवन-निर्भृत लान आदि पर आवारित समय-समय पर गंभीर की जाने वाली वर्तों पर उनके पूर्ण वेतन के अनियंत्रित विदेश भवा गंभीर किया जाता है। इसके प्रतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (क) के अधिकारीयों पर लागू भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.) नियमान्वीनी, 1961 के अनुसार विदेश सेवा के दौरान नियन्त्रित विदेश सेवा के अधिकारीयों होंगे:-

(i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनभान के अनुसार नियन्त्रित विदेश सेवा।

(ii) सहायता प्राप्त विकिसा परिवर्ती वीजना के प्रधीन विकिसा परिवर्ती प्रसुविधाएं;

(iii) अधिकारीत आकस्मिक स्थिति में भारत में आने और विदेश में अपने तैनातों के स्थान पर वापिस आने के लिए अधिकारीयों की पूरी सेवा के दौरान अधिकारीत दो बार हवाई यात्रा के एक टिकट;

(iv) दुष्ट शर्तों के अध्यवैद्यन छुट्टियों के दौरान माला-पिता को मिलने के लिए भारत में पढ़ाई कर रहे 6 वर्ष से 22 वर्ष तक के आपु वां के बच्चों को बालिक वापसी हवाई यात्रा टिकट;

(v) अधिकारीयों की विदेश में नियुक्ति के स्थान में पढ़ाई कर रहे 5 से 20 वर्ष तक की आपु के भातीर के अधिकारीत दो बच्चों की शिक्षा पर हुमा व्यव छुल शर्तों के अधीन सरकार द्वारा बहन किया जाता है;

(vi) विदेश में प्रदेशों के अनुसार विदेश में नियुक्ति के लिए सज्जा (ग्राउंटफिट) मता।

(vii) नियारेत नियमों के अनुसार प्राधिकारीयों और उनके परिवारों को स्वेच्छा लूटी यात्रा मता।

घ. सकारा मुक्तालय आशुलिपिक सेवा

विदेश में विदेश सेवा के अनुसार मतदाता मेना मुक्तालय आशुलिपिक सेवा में पदों को भरने की पद्धति सहित चार प्रेड नियानुसार हैं:-

प्रेड	वेतनभान	पद्धति
आशुलिपिक प्रेड "क"	र. 650-1200-पदा-संयोगित 2000-3500	प्रेड "ब" प्राशुलिपिकों की पदोन्नति द्वारा
आशुलिपिक प्रेड "ख"	र. 650-1040-पदा-संयोगित 2000-3500	50 % तक प्रेड "ग" प्राशुलिपिकों की पदोन्नति द्वारा 50 % तक सोमति विभागीय प्रतियारोपी परिवार के आवार पर योग्यालयीन प्रेड "ग" की पदोन्नति द्वारा।
आशुलिपिक प्रेड "ग"	र. 425-800 पदा-मंशो-प्रिया 1640-2900	25 % प्राशुलिपिक प्रेड "प्र" की पदोन्नति द्वारा। 25 % तक सोमिति विभागीय प्रतियारोपी परिवार के आवार पर प्राशुलिपिक प्रेड "प्र" की पदोन्नति द्वारा।

आशुलिपिक प्रेष्ठ "ब" रु. 330-560- यथा-संसो- मरम्ब सेना मुक्ता-
विल व. 1200-2045 लृ. लिपिकीय सेवा के
मरम्बों के लिए
कर्मचारी वर्ग साधा
द्वाया आयोजना मा-
मित विभागीय प्रति-
योगी परोक्षा के मा-
ध्यम से नियुक्ते न
होने पर, सरकार द्वारा
नियरित विभागीय।

टिप्पणी: चतुर्थ वेतन आयोग की सिफारियों पर सरकार ने आशुलिपिक प्रेष्ठ "क" और आशुलिपिक प्रेष्ठ "ब" को द. 2000-3500 के संभोगित वेतनमात्र में संबंधित कर दिया है और 3000-4500 के वेतनमात्र में आशुलिपिक के भवित्वित पदों का संग्रह किया है। सशस्त्र सेना मुक्तालय आशुलिपिक सेवा की पुरोक्षा विभागीय है।

2. सशस्त्र सेना मुक्तालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त अधिकारी वर्द्धक तक परिवीक्षाधोन रहेंगे। इस अधिकारी के द्वारा उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने तथा परीक्षाएं पास करनी आवश्यक हैं जो सरकार द्वाया नियरित की जाए।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित विभाग का उसके पद पर स्थायी बदल सकती है अधिकारी यदि उसका कार्य अधिकारी विवरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार योजित समय के लिए उसको परिवीक्षा अधिकारी को आगे बढ़ा सकती है।

4. सेवा में प्रेष्ठ "ब" में भर्ती किए गए अधिकारीयों को सशस्त्र सेना मुक्तालय विल्ली/महि विल्ली में स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रधान पद, सेवा संगठनों सशस्त्र सेना मुक्तालय आशुलिपिक सेवा योग्यता के भवित्वित शामिल कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किसी उन्हें भारत में किसी भी स्थान पर सेवा करने पड़े गये हैं।

5. सेवा के प्रेष्ठ "ब" में भर्ती किए गए अधिकारी, इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार प्राप्त उत्तराधिकार में पदोन्नति किए जाने के पाल होंगे।

प्रत्येक

सेवारत अधिकारीयों के लिए प्रमाणपत्र का कार्य

[नियम 3(i) के नीचे टिप्पणी II देखें]

मेरे एक्सामिनेटर द्वाया करता हूँ कि मेरे पास उपलब्ध सूचना के अनुसार मं. () नाम विभाग को सशस्त्र सेना में अपनी नियुक्ति को विभिन्न अधिकारी को पूरी करेगा।

स्थान:

कमाड़िगा अधिकारी के

तारीख:

हस्ताक्षर

कार्यालय मुहर

आशुलिपिकों द्वाया दिया जाने वाला प्रमाण-पत्र

मेरे यह जानता हूँ कि यदि उस भर्ती/परीक्षा जिससे यह आवेदन प्रक्रिया है के द्वाया मेरा अनुमति हो जाता है तो मेरी नियुक्ति नियोग्यता प्राधिकारी को मेरे द्वाया प्रस्तुत कागजी साध्य के प्रस्तुत करने और उसकी संतुष्टि के अधीन होगी कि मूले सशस्त्र सेना के विभिन्न भूमत

किया गया है/सेवानिवृत्त किया गया है/लायैमूल्य किया गया है जा में भूतपूर्व सेविक (केन्द्रीय नागरिक सेवाओं और पर्यावरण पुर्तनिवृत्ति) समर्थ-समय पर यथा संशोधित नियम, 1979 को शर्तों के विवेत भारतीय गोनियों को देय साधो का अधिकारी है।

स्थान:

अधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख:

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th November, 1992

No. 10/3/92-CS.II.—The rules for a Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Training for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts (and for such other services/posts as may be including by the Commission in their advertisement inviting applications for the Examination) are published for general information:—

- A. Grade III of Stenographers Cadre of II-S 'B'.
- B. Railway Board Secretariat Stenographers Services-Grade 'D'.
- C. Central Secretariat Stenographers Service-Grade 'D'.
- D. Armed Forces Headquarters Stenographers Service-Grade 'D'.
- E. Central Vigilance Commission.
- F. Secretariat of Election Commission of India.
- G. Any other Department/Office, not mentioned above. Preference in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidates at the time of submitting their applications. A candidate may, however, change the order of preferences once before the date of written examination.

2. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. The number of vacancies to be filed on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates who are Ex-servicemen, Scheduled Castes, Scheduled Tribe and Physically Handicapped (Orthopaedically Handicapped and partially Blind) in respect of vacancies as may be fixed by the Government in accordance with the instructions.

NOTE : The Orthopaedically Handicapped :—

The Orthopaedically Handicapped are those who have a minimum of 40% physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

(i) Ex-serviceman fulfilling the conditions laid down by the Govt. from time to time shall be allowed to deduct military service from their actual age and such resultant age should not exceed prescribed age limit by more than three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

“An ex-serviceman” means a person, who has served in any rank whether as a combatant or non-combatant in the Regular Army, Navy and Air Force of the Indian Union and

- (i) Who retired from such service after earning his/her pension; or
- (ii) Who has been released from such service on medical grounds attributable to military service or circumstances beyond his control and awarded medical or other disability pension; or
- (iii) Who has been released, otherwise than on his own request from such service as a result of reduction in establishment; or
- (iv) Who has been released from such service after completing the specific period of engagements, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency and has been given a gratuity; and includes personnel of the Territorial Army of the following categories; namely —
 - (i) Pension holders for continuous embodied service;
 - (ii) Persons with disability attributable to military service; and
 - (iii) Gallantry Award Winners”.

NOTE: I “Ex-servicemen who have already joined government job in civil side after availing of the benefits given to ex-servicemen for their re-employment are also eligible to the age concession. However, such candidates will not be eligible for the benefit of reservation”.

NOTE : II The period of ‘Call up Service’ of an ex-serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of para 3(1) above.

NOTE : III For any serviceman of the three Armed Forces of the Union to be treated as Ex-serviceman for the purpose of securing the benefits of reservation, he must have already acquired, at the relevant time of submitting his application for the post/service the status of Ex-serviceman and/or is in a position to establish his acquired entitlement by docu-

mentary evidence from the competent authority that he would be released discharged from the Armed Forces *within the stipulated period of one year from the closing date i.e. 14-12-92 on completion of his assignment.* The form of certificate/undertaking to be submitted by the candidate in this connection, is given in Annexure (as given in para 2 of D&T O.M. No. 36035/2/91-Estt(SCT) dated 3-4-91).

3. (ii) The orthopaedically handicapped and partially Blind as mentioned in para 3 will be as defined by Government from time to time. No scribe will be allowed to Orthopaedically Handicapped person.

NOTE : A Separate Examination may be held for Partially Blind Candidates.

3. (iii) Schedule Castes/Scheduled Tribes means any of the Castes/Tribes mentioned under :

- @ The Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950.
- @ The Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950.
- @ The Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951.
- @ The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories), Order, 1951.
- As amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].
- @ Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956
- @ The Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Tribes Order, 1989.
- @ The Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959
- @ The Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962.
- @ The Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962.
- @ The Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964.
- @ The Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967.
- @ The Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Castes Order, 1968.
- @ The Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Tribes Order, 1968.
- @ The Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

@ The Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978.

@ The Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

The Constitution (Scheduled Castes) Orders (Amendment) Act, 1990.

The Constitution (Scheduled Tribes) Order (Amendment) Act, 1991.

The Constitution (Scheduled Tribes) Order (Second Amendment) Act, 1991.

4. 1 A candidate must be either : —

(a) a citizen of India, or

(b) a subject of Nepal, or

(c) a subject of Bhutan, or

(d) a Tibetan refugee who came over to India, before 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to Categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the India Foreign Service (b)-Grade III of the Stenographers cadre.

2. A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the Examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5. (A) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1-1-1993 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1968 and not later than 1st January, 1975.

5. (B) The upper age limit will be relaxable upto the age of 40 years (45 years for SC/ST candidate) in respect of persons who have been regularly appointed as stenographers (including language stenographers)|Clerks|Steno-typists|Hindi Clerks/Hindi Typist in various Departments|Offices of the Government of India and have rendered no less than 5 years continuous service as Stenographers (including language Stenographers)|Steno-typist|Hindi Clerk|Hindi typist on 1st January, 1993 and continue to be so employed.

(C) The upper age limit in all above cases will be further relaxable :—

(i) upto a maximum of five years if candidate belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribes;

(ii) "upto a maximum of 3 years (8 years for SC/ST) to candidates who are bona fide repatriates of Indian Origin from Kuwait or Iraq and have migrated to India after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991, in accordance with Department of personnel and Training O.M. No. 15012/11/90-Estt. (D) dated 22-11-1991;"

(iii) upto a maximum of three years (eight years for SC/ST) in the case of Defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof;

(iv) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, i.e. Orthopaedically handicapped and partially blind. For candidates belonging to SC or ST who is physically handicapped, the maximum relaxation of ten years permissible for physically handicapped persons shall be in addition to the age relaxation provided in terms of column (i);

(v) upto the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes/Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced women and women judicially separated from their husbands, who are not remarried;

(vi) upper age limit is relaxable to retrenched employee of Chukha Hydel Project Authority in Bhutan who were directly recruited to the extent of service rendered by them with the Authority period of regular service rendered by the retrenched employees will be decided on the basis of certificate issued by the Chukha Hydel Project Authority;

(vii) Upper age-limit is relaxable for such retrenched employees of 1991 Census in the Directorates of Census Operations in the States and UTs who were within the age-limits for the above post(s) at the time of their initial recruitment in the census organisation through the employment exchanges to other permissible channels and who have put in not less than six months of continuous service and have been retrenched due to reduction in establishment.

Save as provided above the age limits prescribed can in no case be relaxed. Age concession is not Admissible to the 'sons, Daughters and Dependents of ex-servicemen and to persons belonging to 'Backward Classes'.

N. B.(ii): The candidature of person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(B) above is liable to be cancelled, if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

N. B(ii): A stenographer including language Sténographe|Clerk|Steno-Typist, Hindi Clerks Hindi Typist) who is on Deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred, will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Education Board at the end of the Secondary School, High School, or any other certificate which is accepted by Government of that State|Government of India as equivalent to Matriculation certificate on or before 1-1-1993.

NOTE 1 : Candidates who have yet to appear at Matriculation Examination or whose result has been withheld or not declared on or before 1-1-1993 are Not eligible.

NOTE 2 : In exceptional case, the Central Government may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally, qualifications prescribed in this rule as educationally, the standard of which in the opinion of the Government justifies his admission to this examination.

7. No person :—

- (a) Who has entered in to or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) Who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

8. All candidates in Government service whether in a permanent or in temporary capacity or as clerk charged employees other than casual or duty daily rated employee, or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office|Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications shall be rejected|candidature shall be cancelled.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE : In the case of disabled ex-Defence Service personnel certificate of fitness granted by the Demobilization Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. Candidates except Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Physically Handicapped and Ex-servicemen must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he/she holds a certificate of admission from the Commission.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) Obtaining the support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) taking away Question Booklet/Answer sheet/Short-hand notes/typing scripts with him/her from the examination hall or passing it on to unauthorised person/persons during the conduct of the examination.
- (xi) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xii) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xiii) Attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period:—

(i) by the Commission from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) to disciplinary action under the appropriate Rules if he is already in service under Government.

Selection of Candidates :

15. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order as many candidates as are found by the Commission to be qualified in the examination for appointment as English Stenographers or Hindi Stenographers as the case may be, shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given to the preferences expressed by a candidate to various services/posts at the time of his application.

Provided that, candidates belonging to the Physically Handicapped categories or Ex-servicemen may, to the extent the number of vacancies reserved for them cannot be filled on the basis of general standards, be recommended at relaxed standards to make up for the deficiency in the reserved quota subject to fitness of such candidates for selection irrespective of their ranks in the order of merit.

Provided further that the candidates belonging to any of the Scheduled castes or the Scheduled Tribes, may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of the candidates for selection to the service.

Provided further that the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

16. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidate shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

17. Success in the examination shall confer no right to appointment unless the Government is satisfied, after such inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

18. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being through this examination, are given in Appendix-II.

KARTAR SINGH, Under Secy.

APPENDIX--I

Scheme of Examination :—The Examination will consist of two parts, viz.

Part-I
Part-II

Written Examination.
Stenography Test.

PART-I

Written Examination:—The subject of the examination, the time allowed, the maximum marks for each subject and the syllabus and standard will be as follows :—

Subjects	Maximum Marks	Time Allowed
(i) General Knowledge	100	200
(ii) Language Test (Hindi/ English).	100	2 Hours

There will be a single composite paper for both the subjects. The question papers will contain objective 'Multiple-Choice-Type' questions each containing four alternative responses. Candidates will be required to qualify in each of the two subjects separately. The Commission will have full discretion to fix the minimum qualifying marks in both the subjects. Only such candidates who attain in each of the two subjects of the written examination, a minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion, would be eligible to be considered for being called for the Shorthand test. The candidates will have option to answer the language test either in Hindi or English. The candidates who opt for Hindi medium in shorthand test will have to take the language test in Hindi and candidates opting for English shorthand will have to take language test in English. Candidates who answer the question in the language test in language other than the one opted by him/her in the application form or in both the languages will be awarded zero marks.

Standard and Syllabus : The standard of the question papers will be approximately that of the Matriculation Examination of an Indian University.

General Awareness : Questions will be designed to test the ability of the candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. Question will also be designed to test knowledge of current events and of such matter of every day observations and experience in their scientific aspect as may be expected of an educated person. The test will also include questions relating to India & its neighbouring countries especially pertaining to History Culture; Geography, Economic Scene, General Policy and Scientific Research.

Language Test : (Hindi/English) : Questions in this test will be set to assess the knowledge of Hindi/English language, its vocabulary Grammar, Sentence Structure, Synonyms and Antonyms etc. There will also be questions on Comprehension of passages.

PART—II

300 Marks

SHORT HAND TEST IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST)

The details about the shorthand test will be as follow:—

Scheme of Shorthand Test :

The candidates will be given one dictation test in English or in Hindi at 80 words per minute for 10 minutes. The candidates who opt to take the test in English will be required to transcribe the matter in 65 minutes, and the candidates who opt to take the test in Hindi will be required to transcribe the matter in 75 minutes.

1. Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. Candidates who opt to take the Shorthand test in Hindi will be required to learn English Stenography and vice-versa, after their appointment.

APPENDIX-II

Brief particulars relating to the service/posts to which recruitment is being made through the Examination.

A. The Central Secretariat Stenographers' Service

1. The Central Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades :—

Private Secretary Grade—Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500
Grade 'A' & 'B' (merged)—Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500

Grade 'C'—Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Grade 'D'—Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

2. Persons recruited to Grade 'D' for the service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of the Govt. has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Govt. may think fit.

4. Persons required to Grade 'D' of the Service will be posted to one of the Ministries or offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or office.

5. Persons recruited to Grade 'D' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

B. The Railway Board Secretariat Stenographers' Service

(a)(i) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades :

Grade 'A'—The unified grade of

Grade 'B'—Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-3500

Grade 'C'—Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900

Grade 'D'—Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.

(ii) Persons recruited to Grade 'C' of the service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Govt. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct, in the opinion of the Govt. of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(iii) Persons recruited to Grade 'D' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules :

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory state Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

(d) The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the privilege of passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of service staff included in the Railway Board Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

C. Indian Foreign Service 'B' Grade III of the Stenographers

The Stenographers cadre of the IFS 'B' has at present grades as follows :—

Selection Grade|Grade-I

Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-3500

Grade-II

Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900

Grade III

Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

The constitution of a new grade in Stenographers Cadre in the scale of Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500 is under process.

2. Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or the conduct of any of them in the opinion of the Government has been unsatisfactory he/she may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Govt. may think fit.

3. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India or abroad to which they may be posted by the controlling authority.

4. During service abroad IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS(PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

(i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Govt.

(ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad, upto a maximum of two (single tickets) throughout the officer's service, for personal emergencies.

(iv) Annual return air passage for children between the age of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vocation subject to certain conditions.

(v) Expenditure on education, of children upto a maximum of two children between the age of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions.

(vi) Out fit allowance for posting abroad as per existing instructions.

(vii) Home Leave Passes for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

D. Armed Forces Headquarters Stenographers Service :

As per the existing position there are 4 grades in AFHQ Stenographers Service with the methods of filling the posts as under :

Grade	Pay Scale	Method
Principal Private Secretary	Rs. 3000/- 4500/-.	By promotion of Private Secretaries.
Private Secretary	Rs. 2000/- 3500/-.	(a) 50% by promotion of Personal Assistants, and (b) 50% by promotion of Personal Assistants on the basis of Limited Departmental Competitive Examination.
Personal Assistant	Rs. 1640/- 2900/-.	(a) 25% by promotion of Stenographers, (b) 25% by promotion of Stenographers on the basis of Limited Departmental Competitive Examination, (c) 50% by direct recruitment.
Stenographers	Rs. 1200/- 2040/-.	By Direct Recruitment.

2. Persons recruited as stenographers of Armed Forces Headquarters Stenographers Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of the Government

has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited as stenographers of the Service will be posted to one of the Offices of Armed Forces Headquarters|Inter Service Organisations under the Ministry of Defence located in Delhi/New Delhi and participants in the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Scheme. They, however, carry the liability to serve anywhere in India.

5. Persons recruited as stenographers of the Service will be eligible for promotion to the next Higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

ANNEXURE

Form of Certificate for serving personnel [Please see Note III below Rule 3(i)].

I hereby certify that according to the information available with me (No.) Rank Name is due to complete the specified form of his engagement with the Armed Forces on the (date)

Signature of Commanding Officer

Officer Seal

Place :

Date :

Undertaking to be given by the candidate

I understand that, if selected on the basis of the recruitment/examination to which this application relates, my appointment will be subject to my producing documentary evidence to the satisfaction of the appointing authority that I have been duly released|retired|discharged from the Armed Forces and that I am entitled to the benefits admissible to ex-servicemen in terms of the Ex-servicemen (Re-employment in Central Civil Service & Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

Signature of Candidate

Place

Date

